

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद

सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर

अल्पकालीन निविदा-48/2017

इस कार्यालय द्वारा निम्नांकित सामग्री की आपूर्ति हेतु सक्षम आपूर्तिकर्ताओं से प्रतिष्ठित कम्पनियों के ब्राण्डो की निम्नांकित सामग्री की आपूर्ति हेतु मुहरबन्द बोलियां आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का नाम/विवरण	अनुमानित संख्या	अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि	निविदा फार्म शुल्क
1	2	3	4	5	6
1	आयरन बैड मय पेन्ट 3' x 6', 12 एम.एम. लकड़ी की प्लाई सहित	117	2,92,500 / -		
2	गद्दे 10 किलो रूई / 4 ईंच फोम के	117	2,92,500 / -		
3	तकिये 1 किलो रूई के/फोम	117	23,400 / -		
4	तकिये कॅवर, कोटन के कपड़े में	234	14,000 / -		
5	बैडशीट कॅलर 3' x 6' quality as bombay dying	234	35,000 / -		
6	कॉटन खेश कॅलर में	117	35,000 / -		
7	रजाई सिंगल, 3 किलो रूई की कॉटन कपड़े में	117	1,17,000 / -		
8	सिंगल रजाई कॅवर कॉटन, कलर कपड़े में	117	58,500 / -		
कुल योग			8,67,900 / -	17,358 / -	500 / -

बोली प्रपत्र, नियम एवं शर्तें इस कार्यालय से दिनांक 31.07.2017 दोपहर 1:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क, कॉलम संख्या-6 के अनुसार जो लौटाया नहीं जायेगा नकद एवं डी.डी.जमा कराकर प्राप्त किये जा सकते हैं तकनीकी निविदाएं दिनांक 31.07.2017 को अपरान्ह 3:00 बजे तक पूर्ण रूप से भरी हुई प्राप्त की जाकर, उसी दिन अपरान्ह 4.00 बजे उपस्थित बोलीदाताओं/अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् , जयपुर में खोली जावेगी। निविदा के साथ सामग्री का नमुना आवश्यक रूप से प्रस्तुत करना होगा। निविदा तकनीकी एवं वित्तीय बिड दो भागों में होगी जो अलग अलग लिफाफों में प्रस्तुत की जावेगी। तकनीकी रूप से अनुमोदित फर्म की ही वित्तीय निविदा खोली जावेगी।

कॉलम संख्या-5 में अंकित अमानत राशि का डी.डी./बैंकर्स चैक जो सचिव, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर के नाम से जारी हो, संलग्न करना अनिवार्य है। इसके बिना किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

बोली की विस्तृत शर्तें एवं प्रपत्र राज्य सरकार की वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in एवं विभाग की वेबसाईट www.rssc.in पर देखी जा सकती हैं।

सचिव

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद,

सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर

बोली फार्म

बोली शुल्क रूपये 500/-

फार्म बेचने की अंतिम तिथि :-

31.07.2017 को अपराह्न 1:00 बजे तक

फार्म जमा कराने की अंतिम तिथि :-

31.07.2017 को अपराह्न 3:00 बजे तक

बिड खोलने की तिथि :-

31.07.2017 को अपराह्न 4:00 बजे तक

1 बोली प्रस्तुत करने वाली फर्म का नाम एवं डाक का स्थाई पता।

.....
.....
.....

2 किसको सम्बोधित की गई :- सचिव, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर।

3 सन्दर्भ में प्रकाशित बोली सूचना।

4 बोली शुल्क की राशि रूपये 500/- मात्र नकद रसीद संख्यादिनांक.....
डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक संख्या.....दिनांक के द्वारा जमा करा दी गई है।

5 हम राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर द्वारा जारी की गई बोली दिनांकमें वर्णित सभी शर्तों से तथा संलग्न शीट में दी गई उक्त बोली की अतिरिक्त शर्तों से बाध्य होना स्वीकार करते हैं। इनके सभी पृष्ठों पर उनके उल्लेखित शर्तों को हमारे द्वारा स्वीकार किये जाने के प्रमाण में हमने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

6 प्रदाय की जाने वाली सामग्री का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित संख्या
1	2	3
1	आयरन बेड मय पेन्ट 3' x 6', 12 एम.एम. लकड़ी की प्लाई सहित	117
2	गद्दे 10 किलो रूई / 4 ईंच फोम के	117
3	तकिये 1 किलो रूई के/फोम	117
4	तकिये कॅवर, कोटन के कपड़े में	234
5	बैडशीट कॅलर 3' x 6' quality as bombay dying	234
6	कॉटन खेश कॅलर में	117
7	रजाई सिंगल, 3 किलो रूई की कॉटन कपड़े में	117
8	सिंगल रजाई कॅवर कॉटन, कलर कपड़े में	117

7 फर्म को दिये गये कार्यादेश के अनुसार अपूर्ति 15 दिवस में एफओआर गन्तव्य स्थान पर **संलग्न प्रपत्र (क)** अनुसार करनी होगी।

8 बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक..... दिनांक जो (बैंक का नाम) पर आहरित किया गया है/नकद रसीद संख्या दिनांक रूपयेके लिए जारी किया गया है, बयाना राशि के पेटे संलग्न किया जाता है।

9 इसके साथ GST पंजीयन एवं बिक्रीकर चुकित प्रमाण-पत्र संलग्न है।

बोलीदाता के हस्ताक्षर
नाम पता मय मोहर

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद,

सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर।

बोली के लिए शर्तें

विशेष टिप्पणी :- बोलीदाताओं को इन शर्तों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए तथा अपनी बोली भेजते समय इसकी पूर्ण रूपेण पालना करनी चाहिए।

1. बोलीदाताओं को बोली सूचना में दिये गये निर्देशों के अनुसार उचित रूप से बिड मुहरबन्द लिफाफे में बन्द करना चाहिए।
2. (अ) फर्म आदि के गठन में किसी भी परिवर्तन की सूचना परिषद को लिखित में ठेकेदार द्वारा दी जावेगी तथा इस परिवर्तन से संविदा के अधीन किसी भी दायित्व से फर्म के पहले सदस्य को मुक्त नहीं किया जावेगा।
(ब) संविदा के सम्बन्ध में फर्म के किसी भी नये भागीदार/भागीदारों का ठेकेदार द्वारा फर्म से सम्बन्ध स्वीकार नहीं किया जावेगा जब तक कि वे इसकी समस्त शर्तों को मानने के लिए बाध्य नहीं हो जाते एवं परिषद को इस सम्बन्ध में लिखित इकरारनामा प्रस्तुत नहीं कर देते प्राप्ति स्वीकृति के लिए ठेकेदार की रसीद को बाद में उपरोक्त रूप से स्वीकार की गई किसी भागीदार की रसीद उन सब को बाध्य करेगी तथा ये संविदा के किसी प्रयोजन के लिए पर्याप्त रूप से उन्मुक्ति डिस्चार्ज होगी।
3. कोई भी डीलर यदि उस राज्य में, प्रचलित, जहां उसका व्यवसाय स्थित है, बिक्रीकर/GST अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत नहीं है तो वह बोली नहीं देगा। बोलीदाता सम्बन्धित सर्किल के वाणिज्यिक कर अधिकारी से बिक्रीकर चुकता प्रमाण-पत्र बोलियों के साथ प्रस्तुत करेगा। इनके बिना बोलियों पर विचार नहीं किया जायेगा।
4. बोली प्रारूप स्याही से भरे जायेंगे या टंकण से भरा जावेगा। पेन्सिल से की गई किसी भी बोली पर विचार नहीं किया जावेगा बोलीदाता बोली के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर करेगा तथा अन्त में बोली की समस्त शर्तों को स्वीकार करने के प्रमाण में हस्ताक्षर करेगा।
5. दरें शब्दों एवं अंकों दोनों में लिखी जायेगी। इसमें कोई त्रुटि/दो अक्षर लेखन (उपरिलेखन) नहीं होना चाहिए। यदि कोई शुद्धि करनी हो तो यह स्पष्ट रूप से ही की जानी चाहिए एवं दिनांक सहित उन पर लघु हस्ताक्षर किये जाने चाहिए। दरें FOR गनत्व्य स्थान के आधार पर होगी अर्थात् परिवहन संबंधी कोई राशि परिषद द्वारा पृथक से देय नहीं होगी। दरें प्रस्तुत करते समय सामग्री एवं करों का पृथक अंकन करते हुए राशि वित्तीय बिड में वर्णित की जायेगी। राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम, 2013 के नियम 66 के अनुसार दरों की तुलना करते समय राजस्थान की पंजीकृत फर्मों द्वारा दी गई कर सहित दरों में से राजस्थान में देय कर को अपवर्जित कर उस दर की अन्य बोलीदाताओं से तुलना की जायेगी। अर्थात् राज्य से बाहर की फर्मों की दर में लागू GST को दर में शामिल माना जावेगा।
6. बोली उनके कार्यादेश दिये जाने की दिनांक से एक वर्ष की अवधि के लिए विधि मान्य होंगी।
7. बोलीदाता अपनी संविदा या उसके किसी भाग को किसी अन्य एजेन्सी के लिए नहीं सौंपेगा या उपभाडे पर नहीं देगा। बोली पत्र में अंकित सामग्री की मात्रा में कमी एवं वृद्धि करने का अधिकार क्रेता अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा।
8. बोलीदाता का उसके प्रतिनिधि की ओर से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से अपना पक्ष समर्थन करना एक प्रकार की अनर्हता होगी।
9. विहित समय एवं तारीख के पश्चात् जो भी बोलियां प्राप्त होंगी उन्हें रद्द कर दिया जायेगा।
10. यदि बोलीदाता ऐसी कोई शर्त आरोपित करता है जो उसमें वर्णित शर्तों के अतिरिक्त है या उनके विरोध में है तो उसकी बोली को संक्षिप्त रूप में कार्यवाही कर रद्द कर दिया जावेगा।
11. किसी भी बोली को जो आवश्यक रूप से न्यूनतम दर की बोली नहीं है, स्वीकार करने, बिना कोई कारण बताये किसी भी बोली को रद्द करने या जिन वस्तुओं के लिए बोलीदाता ने बोली दी है, उन सबके लिए या एक या अधिक के लिए बोली को स्वीकार करने या एक फर्म/प्रदायकर्ता से अधिक को सामान की मदों को वितरित करने के अधिकार को क्रेताधिकारी अपने पास आरक्षित रखेगा।

बयाना राशि :-

- (क) बोली के साथ (बोली सूचना के अनुसार), /- रूपये बयाना राशि प्रस्तुत की जायेगी। इसके बिना बोलियों पर विचार नहीं किया जायेगा। यह राशि सचिव, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर के पक्ष में नकद रसीद /शिड्यूल बैंक का ड्राफ्ट / बैंकर्स चैक में से किसी रूप जमा कराया जा सकती है।
- (ख) असफल बोलीदाता की बयाना राशि बोली को अंतिम रूप से स्वीकार करने के बाद यथा संभव शीघ्र लौटा दी जावेगी।
- (ग) अनुमोदन की प्रतीक्षा करने वाली या रद्द की गई या संविदाओं के पूर्ण हो जाने के कारण परिषद कार्यालय के पास जमा बयानाराशि प्रतिभूति धन के प्रति समायोजित नहीं किया जायेगा।
12. बयाना राशि का समपहरण:- बयाना राशि को निम्नलिखित मामलों में समपहरत कर लिया जायेगा:-
- (क) जब बोलीदाता बोली खोलने के बाद किन्तु बोली को स्वीकार करने के पूर्व प्रस्ताव को वापस लेता है या उसमें उपान्तरण करता है।
- (ख) जब बोलीदाता विनिष्ट समय के भीतर विहित करार को निष्पादित नहीं करता है।
- (ग) जब बोलीदाता प्रदायगी के लिए आदेश देने के बाद प्रतिभूति राशि जमा नहीं कराता हो।
- (घ) जब वह निर्धारित समय के अन्तर्गत आदेशों के अनुसार कार्य प्रारम्भ करने में असफल रहता है अथवा संतोषजनक सेवाएं देने में असमर्थ रहता है।
13. करार एवं प्रतिभूति निक्षेप :-
- (क) सफल बोलीदाता को आदेश दिनांक से 3 दिन की अवधि के भीतर निर्धारित राशि का नॉन-ज्यूडिशियल करार-पत्र निष्पादित करना होगा तथा प्रावधित व्यय जिसके लिए बोली स्वीकार की गई है उनके मूल्य के 5 प्रतिशत के बराबर प्रतिभूति जमा करानी होगी। यह प्रतिभूति बोली को स्वीकार किये जाने की सूचना प्रेषित किये जाने की दिनांक से तीन दिन में जमा कराई जायेगी।
- (ख) बोली के समय जमा कराई गई बयाना राशि को प्रतिभूति की राशि के लिए समायोजित किया जायेगा।
- (ग) बयाना / प्रतिभूति राशि पर परिषद द्वारा कोई ब्याज का भुगतान नहीं किया जायेगा।
- (घ) प्रतिभूति राशि के रूप में नकद रसीद पत्र / शिड्यूल बैंक का ड्राफ्ट / बैंकर्स चैक मान्य होंगे।
14. प्रतिभूति राशि का समपहरण :- प्रतिभूति की राशि को पूर्ण अथवा आंशिक रूप से निम्नलिखित मामलों में समपहरत किया जायेगा:-
- (क) जब संविदा की किसी शर्त का उल्लंघन किया गया हो।
- (ख) जब बोलीदाता सम्पूर्ण कार्य / कार्य का अंश संतोषजनक ढंग से करने में असफल रहा हो।
- (ग) प्रतिभूति निक्षेप को समपहरत करने के मामले में युक्तियुक्त नोटिस दिया जावेगा इस सम्बन्ध में परिषद के सचिव का निर्णय अन्तिम होगा।
- (घ) कार्य में असफल रहने पर परिषद द्वारा तुरन्त वैकल्पिक व्यवस्था की जावेगी। उसमें जो भी व्यय होगा बोलीदाता से उसकी प्रतिभूति राशि में से अथवा उसको देय बिल की राशि के भुगतान में से की जायेगी। यदि वसूली करना सम्भव न हो तो राजस्थान पी.डी.आर.एक्ट या प्रवृत्त अन्य किसी कानून के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
15. करार पत्र को पूर्ण करने एवं उस पर स्टाम्प लगाने का व्यय बोलीदाता द्वारा वहन किया जायेगा तथा परिषद को उस करार पत्र की निष्पादित स्टाम्प शुदा प्रति पडत निःशुल्क प्रस्तुत की जायेगी।
16. परिषद किन्हीं बोलीदत वस्तुओं की खरीद नहीं करती है या बोली में निर्दिष्ट मात्रा से कम मात्रा में माल खरीदता है तो बोलीदाता किसी क्षतिपूर्ति का दावा करने का हकदार नहीं होगा।

और यदि बोली सूचना में दर्शित मात्रा से अधिक के लिए आदेश दिया जाता है तो बोलीदाता अपेक्षित प्रदाय करने के बाध्य होगा।

17. अनुमोदित प्रदायकर्ता के लिए यह समझा जाएगा कि उसने प्रदाय किये जाने वाले माल की शर्तों, विनिर्देशों, आकार, मेक एवं रेखाचित्रों आदि की सावधानीपूर्वक जांच कर ली है यदि उसे इन शर्तों, विनिर्देशों, रेखाचित्रों आदि के किसी भाग के आशय के बारे में कोई सन्देह हो तो वह संविदा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व परिषद से स्पष्टीकरण प्राप्त करेगा।
18. सफल बोलीदाता को क्रय आदेश में विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रदाय करना होगा तथा उचित पैकिंग करेगा ताकि परिवहन के दौरान नुकसान नहीं हो। परिवहन के दौरान किसी प्रकार की टूट-फूट, नुकसान, हानि या रिसाव या किसी प्रकार की कमी होने के मामले में, बोलीदाता माल प्राप्तकर्ता द्वारा उन सामग्रियों की जांच/निरीक्षण किये जाने पर पायी गई ऐसी हानि एवं कमी की पूर्ति के लिए उत्तरदायी होगा। इसके लिए अतिरिक्त भुगतान देय नहीं होगा।

19. **परिसमापित नुकसानी :-**

- (1) परिसमापित नुकसानी के साथ सुपुर्दगी अवधि में वृद्धि करने के मामले में, वसूली निम्नलिखित प्रतिशतता के आधार पर उन सामानों के मूल्यों के लिए की जाएगी जिनका बोलीदाता प्रदाय करने में असफल रहा है :-

(क) विहित सुपुर्दगी अवधि की एक चौथाई अवधि तक के विलम्ब के लिए	2.5%
(ख) एक चौथाई अवधि से अधिक किन्तु विहित अवधि की आधी अवधि से अनधिक के लिए	5%
(ग) आधी अवधि से अधिक किन्तु विहित अवधि के तीन चौथाई से अनधिक के लिए।	7.5%
(घ) विहित अवधि की तीन चौथाई से अधिक विलम्ब के लिए।	10%

- (2) प्रदाय में विलम्ब की अवधि की गणना करते समय आधे दिन से कम भाग को छोड़ दिया जाएगा।
- (3) परिसमापित नुकसानी की अधिकतम राशि 10% होगी।
- (4) यदि प्रदायकर्ता किन्ही बाधाओं के कारण संविदान्तर्गत माल का प्रदाय पूरा करने के लिए समय में वृद्धि करना चाहता है, तो वह लिखित में परिषद को आवेदन करेगा। किन्तु वह उसके लिए निवेदन बाधा के घटित होने पर तुरन्त उसी समय करेगा न कि प्रदाय पूर्ण होने की निर्धारित तारीख के बाद करेगा।
- (5) यदि माल प्रदाय करने में उत्पन्न हुई बाधा बोलीदाता के नियन्त्रण से परे कारणों से हुई हो तो सुपुर्दगी की अवधि में वृद्धि परिसमापित नुकसानी सहित या रहित की जा सकेगी।

20. **वसूली :-**परिसमापित नुकसानी, कम प्रदाय, टूट-फूट, रद्द की गई वस्तुओं के लिए वसूली साधारण रूप से बिल में से की जाएगी। प्रदायकर्ता कम प्रदाय, टूट-फूट, रद्द किए गए मालों की सीमा तक राशि को भी रोका जा सकेगा तथा यदि प्रदायकर्ता सनतोषजनक ढंग से उनको नहीं बदलता है तो परिसमापित नुकसानी के साथ वसूली उसे देय राशि एवं विभाग के पास उपलब्ध प्रतिभूति निक्षेप से की जाएगी। यदि वसूली करना सम्भव न हो तो राजस्थान पी डी आर एक्ट या प्रवृत्त कि अन्य कानून के अन्तर्गत कार्रवाई की जाएगी।

21. प्रदायकर्ता परिषद को आवश्यकता होने पर निर्देशानुसार माल की आपूर्ति करेगा। असफलता की स्थिति में आपकी जमा सुरक्षा राशि जब्त करते हुए परिषद द्वारा यह कार्य आपकी रिस्क एण्ड कोस्ट पर अन्य माध्यम से करा लिया जायेगा। अधिक भुगतान की स्थिति में यह राशि आपसे वसूलनीय होगी।

22. **भुगतान :-**

- (क) बोलीदाता द्वारा क्रेता अधिकारी को उचित प्रारूप में सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियमों के अनुसार बिल प्रस्तुत करने पर भुगतान किया जायेगा। सभी प्रेषण प्रभार बोलीदाता द्वारा वहन किये जायेंगे। किसी भी सूरत में अग्रिम भुगतान नहीं किया जायेगा।

- (ख) विवादास्पद मदों में राशि का 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक को रोका जायेगा तथा उस विवाद का निपटारा हो जाने पर उसका भुगतान कर दिया जायेगा।
- (ग) उन मामलों में, जिनमें परीक्षण करने की जरूरत है, भुगतान तभी किया जायेगा जब उनका परीक्षण कर लिया जाये तथा प्राप्त हुए परीक्षण परिणाम विहित निर्देशों के अनुरूप हों।
23. यदि कार्य की तात्कालिक आवश्यकता के कारण पूर्ण या आंशिक रूप में उन वस्तुओं को बढ़ाना साध्य नहीं समझा जाए तो क्रेता अधिकारी बोलीदाता को सुनवाई किये जाने का एक उचित अवसर देकर ऐसी कारणों से जो अभिलिखित किये जायेंगे अनुमोदित दरों में से उपयुक्त राशि की कटौती करेगा। इस प्रकार की गई कटौती अन्तिम होगी।
24. यदि संविदा के निर्वचन, आशय या संविदा की शर्तों के उल्लंघन के सम्बन्ध में या अन्य किसी भी प्रकार का विवाद होने पर परिषद का निर्णय अन्तिम होगा।
25. समस्त विधिक कार्यवाहियां यदि संस्थित किया जाना आवश्यक हो तो जयपुर स्थित न्यायालय में ही की जाएगी। अन्यत्र नहीं की जाएगी।
26. प्रदायकर्ता एक आईटम की एक ही दर एवं मेक प्रस्तुत करेगा।
27. आर.टी.पी.पी. एक्ट एवं सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियमों की शेष शर्तें भी लागू होंगी।

**बोलीदाता के हस्ताक्षर
(मय नाम पता एवं मोहर)**

संलग्न किये जाने वाले दस्तावेजों की सूची

बोली दाता का नाम व पता.....

.....
.....

क्र.सं.	विवरण	संलग्न किये गये (हाँ / नहीं)
1.	बोली प्रपत्र मय शर्तों के हस्ताक्षर कर संलग्न किया।	
2.	जी.एस.टी. पंजीयन प्रमाण-पत्र की छाया प्रति संलग्न की गई।	
3.	बिक्री कर चुकता प्रमाण-पत्र की छाया प्रति संलग्न की गई। 31.03.2017 तक	
4.	बोली की शर्तों संबंधी प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर हैं।	
5.	टिन एवं पेन नम्बर की छाया प्रति	

बोलीदाता के हस्ताक्षर
मय सील

बोलीदाता द्वारा घोषणा

मैं/हम/घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैने/हमने जिन सामग्री/स्टोर्स/उपकरणों के लिए बोली दी है, उनका/उनके/मैं/हम बोनाफाईड विनिर्माता/प्राधिकृत डीलर हैं।

यदि यह घोषणा असत्य पायी जाए तो हमारे विरुद्ध सभी विधि सम्मत कार्रवाई की सकेंगी तथा हमारी प्रतिभूति को पूर्ण रूप में समपहरत कर लिया जाएगा तथा बोली को, जिस सीमा तक उसे स्वीकार किया गया है, रद्द कर दिया जाएगा एवं हमें उपापन अधिनियम के अन्तर्गत अनर्हकारी माना जा सकेगा।

बोलीदाता के हस्तक्षार मय सील

बोलीदाता का नाम -----

पूर्ण पता -----

टेलिफोन नं. (निवास) -----

(कार्यालय).-----

FINANCIAL BID

1. बोलीदाता का नाम :-.....
2. डाक का पता :-.....
.....
3. टेलिफोन नं. (कार्यालय):-(निवास)
4. बयाना राशि का विवरण :- डी.डी./ बैंकर्स चैक.....दिनांक.....
राशि

FORMAT OF PRICE QUOTATIONS FOR BID ITEMS

क्र.सं.	आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का नाम/विवरण	अनुमानित संख्या	मेक/ट्रेड मार्क	दर प्रति नग रूपये	कुल राशि रूपये
1	2	3	4	5	6
1	आयरन बैड मय पेन्ट 3' x 6', 12 एम.एम. लकड़ी की प्लाई सहित	117			
2	गद्दे 10 किलो रूई / 4 ईंच फोम के	117			
3	तकिये 1 किलो रूई के/फोम	117			
4	तकिये कॅवर, कोटन के कपड़े में	234			
5	बैडशीट कॅलर 3' x 6' quality as bombay dying	234			
6	कॉटन खेश कॅलर में	117			
7	रजाई सिंगल, 3 किलो रूई की कॉटन कपड़े में	117			
8	सिंगल रजाई कॅवर कॉटन, कलर कपड़े में	117			

बोलीदाता के हस्ताक्षर
नाम पता मय मोहर

Annexure A: Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall-

- (a) Not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- (b) Not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) Not indulge in any collusion, Bid rigging or anticompetitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) Not misuse any information shared between the procuring entity and the bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) Not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
- (f) Not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
- (g) Disclose conflict of interest, if any; and
- (h) Disclose any previous transgressions with any entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of interest.-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

(i) A bidder may be considered to be in conflict of interest with one or more parties in the bidding process if, including but not limited to:

- (a) Have controlling partners/shareholders in common; or
- (b) Receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
- (c) Have the same legal representative for purposes of the bid; or
- (d) have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the bid of another bidder, or influence the decisions of the procuring Entity regarding the bidding process; or
- (e) The bidder participates in more than one bid in a bidding process. Participation by a bidder in more than one bid will result in the disqualification of all bids in which the bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a bidder, in more than one bid; or
- (f) the bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the goods, Works or services that are the subject of the Bid; or
- (g) Bidder or any of its affiliates has been hired (or proposed to be hired) by the procuring entity as engineer-in-charge/consultant for the contract.

Annexure B: Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted tofor procurement ofin response to their Notice inviting Bids No.....Dated.....I/wehereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012 that :

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entry;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the union and the state government or any local authority as specified in the Bidding Document.
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date :

Place :

Signature of bidder

Name :

Designation :

Address :

Annexure C :Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is Dy.Secretary Youth Affairs & Sports Department Govt. of Rajasthan.The designation and address of the Second Appellate Authority is Principal Secretary Youth Affairs & Sports Department Govt. of Rajasthan,Jaipur.

(1) Filing an appeal:-

if any bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the procuring entity is in contravention to the provisions of the Act or the rules or the guidelines issued thereunder, he may file an appeal to First Appellate authority, as specified in the Bidding document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a bidder as successful the appeal may be filed only by a bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a procuring entity evaluates the technical bids before the opening of the financial bids, an appeal related to the matter of financial bids may be filed only by a bidder whose technical bid is found to be acceptable.

(2) The officer to whom an appeal is filed under Para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.

(3) If the officer designated under Para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in Para (2), or if the bidder or prospective bidder or the procuring entity is aggrieved by the order passed by the first appellate authority, the bidder or prospective bidder or the procuring entity, as the case may be, may file a second appeal to second appellate authority specified in the bidding document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in Para (2) or of the date of receipt of the order passed by the first appellate authority, as the case may be.

(4) Appeals not to lie in certain cases:-

No appeal shall lie against any decision of the procuring entity relating to the following matters, namely:-

- (a) Determination of need of procurement
- (b) Provisions limiting participation of bidders in the bid process
- (c) The decision of whether or not to enter into negotiations
- (d) Cancellation of a procurement process
- (e) Applicability of the provisions of confidentiality

(5) Form of Appeals:-

- (a) An appeal under Para (1) or (3) above shall be in the annexed form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any,

affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee,

- (c) Every appeal may be presented to first appellate authority or second appellate authority, as the case may be, in person or through registered post or authorised representative.

(6) Fee for filing Appeal:-

- (a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a scheduled bank in India payable in the name of appellate authority concerned.

(7) Procedure for disposal of Appeal:-

- (a) The first appellate authority or second appellate authority as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing
- (b) On the date fixed for hearing, the first appellate authority or second appellate authority, as the case may be shall-
 - (i) Hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) Peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the appellate authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the state public procurement portal.

Annexure D : Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

- i. If there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;
- ii. If there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected ; and
- iii. If there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

- (i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, Works or services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
- (ii) If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.
- (i) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 25% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the supplier.

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

प्रपत्र (क)

क्र.सं.	आपूर्ति किये जाने वाली सामग्री का विवरण	गन्तव्य स्टेशन/स्थान नाम एवं आपूर्ति मात्रा								11
		बालिका फुटबाल अकादमी कोटा	बालक कुश्ती अकादमी भरतपुर	बालक साईविलिंग अकादमी बीकानेर	बालक फुटबाल अकादमी जोधपुर	बालक वालीबाल अकादमी झुन्झुनू	बालिका हॉकी अकादमी अजमेर	बालक बास्केटबाल अकादमी जैसलमेर	बालक एथेलेटिक्स अकादमी श्रीगंगानगर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	आयरन बैड मय पेन्ट 3' X 6', 12 एम.एम. लकड़ी की प्लाई सहित	30	30	30	5	7	5	5	5	
2	गद्दे 10 किलो रूई / 4 ईंच फोम के	30	30	30	5	7	5	5	5	
3	तकिये 1 किलो रूई के/फोम	30	30	30	5	7	5	5	5	
4	तकिये कॅवर, कोटन के कपड़े में	60	60	60	10	14	10	10	10	
5	बैडशीट कॅलर 3' X 6'	60	60	60	10	14	10	10	10	
6	कॉटन खेश कॅलर में	30	30	30	5	7	5	5	5	
7	रजाई सिंगल, 3 किलो रूई की कॉटन कपड़े में	30	30	30	5	7	5	5	5	
8	सिंगल रजाई कॅवर कॉटन, कलर कपड़े में	30	30	30	5	7	5	5	5	